RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER-I GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

Unit-I **(Part-A)**

1. राजस्थान में 1857 में राजनैतिक जागृति के मुख्य कारण क्या रहे?

उत्तरः— राजपूत सामंतों का राजा व ब्रिटिश नीतियों के प्रति अंसतोष, ए.जी.जी. द्वारा भातीय सैनिकों में अविश्वास के कारण सैन्य असंतोष राजस्थान में 1857 में राजनैतिक जागृति के मुख्य कारण रहे।

2. बिजौलिया किसान आन्दोलन के परिणामों पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तरः— आन्दोलन के परिणाम स्वरूप राजस्थान की जनता में संगठित होकर अत्याचार का विरोध करने की भावना को प्रोत्साहन मिला व सामान्य जन अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुआ व उत्तरदायी शासन की मांग का प्रारंभ हुआ।

3. राजस्थान के देशी राज्यों के एकीकरण में किन समस्याओं का सामना करना पड़ा।

उत्तरः— 1. अधिकांश रियासती राजा राज्याधिकार त्यागने हेतु अनिच्छुक थे।

2. टोंक व जोधपुर पाकिस्तान में विलय होना चाहते थें।

3. अलवर, भरतपुर, धौलपुर भाषायी आधार पर उत्तरप्रदेश में मिलना चाहते थे।

4. राजस्थान के इतिहास की जानकारी देने वाले किन्ही 4 फारसी भाषा में लिपिबद्ध साहित्य का उल्लेख कीजिए।

उत्तरः— खजाइन—उल—फुतूह (अमीर खुसरो)
मुन्तखब—उत—तवारीक (बदायूनी)
अकबरनामा (अबुल फजल)
ताज—उल—मआसीर (हसन निजामी)

5. घोसुण्डी अभिलेख का क्या महत्व है?

उत्तरः— यह संस्कृत भाषा व ब्राह्मी लिपि में लिखा यह अभिलेख राजस्थान मे वैष्णव/भागवत धर्म के प्रचलन का सर्वाधिक प्राचीन साक्ष्य है। चित्तौड़ के इस अभिलेख से अश्वमेघ यज्ञ संबंधी जानकारी भी प्राप्त होती है।

6. 'श्रावक प्रतिक्रमणसूत्रचूर्णि'

उत्तरः— महाराणा तेजसिंह के काल में चित्रकार कमलचन्द्र द्वारा चित्रित मेवाड़ चित्रशैली का प्रारम्भिक चित्र श्रावक प्रतिक्रमणसूत्र चूर्णि है।

7. ब्लू पॉटरी

उत्तरः— जयपुर के सांगानेर की प्रसिद्ध भौगोलिक संकेतक प्राप्त कला जिसमें चीनी मिट्टी के बर्तनों पर परम्परागत हरे व नीले रंग से कलाकारी की जाती है। इसे सर्वप्रथम महाराणा रामसिंह प्रथम द्वारा लाया गया।

8. राजस्थान में लोकनृत्य को व्यावसायिक आधार पर वर्गीकृत कीजिए।

उत्तरः— राजस्थान में लोकनृत्य

व्यावसायिक	**गैर व्यावसायिक**
1. भवाई नृत्य	1. घूमर नृत्य
2. तेरहताली नृत्य	2. अग्नि नृत्य
3. कच्छी घोड़ी नृत्य	3. गैर नृत्य
4. कत्यक शास्त्रीय नृत्य	4. गवरी नृत्य
5. कालबेलिया नृत्य	5. वालर नृत्य
6. चकरी नृत्य	6. चंग नृत्य

9. चित्तौड़गढ़ दुर्ग में स्थित जैन मंदिरों के बारे में बताइए।

उत्तरः— चित्तौड़ दुर्ग में महावीर स्वामी, पार्श्वनाथ मंदिर, श्रृंगार चवरी, जैसे जैन मंदिर स्थित है। सातबीस देवरी (आदिनाथ) व कीर्ति स्तम्भ के मध्य जीर्ण—शीर्ण जैन मंदिरो की श्रृंखला है। तीर्थमाला मे यहाँ 32 गच्छों के मंदिरो का उल्लेख है।

10. जयनारायण व्यास

उत्तरः— जोधपुर से संबंधित समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी, कवि, लेखक व पत्रकार एवं एकमात्र राजनेता जो राजस्थान के निर्वाचित व मनोनीत मुख्यमंत्री रहे।

11. ''राव मालदेव ने हूमायुं को मदद का आश्वासन देकर भी उसकी मदद नहीं की?'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तरः— जोधपुर—बीकानेर संघर्ष के पश्चात् बीकानेर व शेरशाह सूरी के गठबंधन की संभावना को देखते हुए बिलग्राम युद्ध के बाद सत्ता से बेदखल हुए हुमायुं को मालदेव ने सहायता का आमत्रण भेजा। तत्पश्चात् शेरशाह के दबाव व शेरशाह सूरी द्वारा बीकानेर पर मालदेव की विजय को मान्यता देने के प्रस्ताव के कारण मालदेव ने हुमायुं को व्यक्तिगत सहायता देने से इनकार कर दिया। हुमायुं ने भी शंकित होते हुए मारवाड़ में शरण न लेना उचित समझा।

12. राजस्थान में गुर्जर—प्रतिहार वंश की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए?

उत्तरः— एक शताब्दी तक चले त्रिपक्षीय संघर्ष के विजेता होने का गौरव गुर्जर—प्रतिहारों को प्राप्त है। भारत में गुर्जर—प्रतिहार वंश की तुलना गुप्त व हर्षकालीन साम्राज्य से की जाती है। समृद्धि व सांस्कृतिक उन्नति के साथ इसका संगठित विस्तार पंजाब, भरुच, कश्मीर तक होने के साक्ष्य है। गुर्जर—प्रतिहार अरब आक्रांताओं को रोका व म्लेच्छो की पराजय का कारण बने। औसिया के मंदिर, तेली मंदिर का निर्माण व सोमनाथ मंदिर का पुननिर्माण कर वंश के गौरव में वृद्धि की । इनके शासनकाल में कर्पुरमंजरी, बाल—रामायण जैसे साहित्य की रचना की गई।

13. राजस्थान की प्रमुख लोक गायन शैलियों के बारे में बताइए?

उत्तरः— 1. माण्ड शैली — जैसलमेर क्षेत्र में प्रचलित श्रृंगार प्रधान गायन शैली जिसका प्रमुख गीत 'केसरिया बालम' व प्रमुख गायिकाएँ अल्ला जिल्हा बाई, गंवरी देवी व माँगी बाई है।

2. मंगणियार शैली — जैसलमेर, बाड़मेर क्षेत्र में गायी जाने वाली शैली, जिसमें कामायचा व खड़ताल वाद्ययंत्रों का प्रयोग कर 6 रंग व 36 रागिनी गायी जाती है। प्रमुख गायक— सदीके खाँ।

3. लंगा गायन— जैसलमेर, बाड़मेर क्षेत्र में राजपूत वंशावलियों के बखान से युक्त गायन शैली जिसमें कामयचा व सांरगी जैसे वाद्ययंत्रों का प्रमुखता से उपयोग होता है।

4. तालबंधी— सवाई माधोपुर क्षेत्र में गायी जाती है।

5. हवेली संगीत— नाथद्वारा क्षेत्र में कृष्ण के भक्ति गीतों की गायन शैली हवेली संगीत है।

14. राजस्थान में दुर्गो के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

उत्तरः— शुक्रनीति में 9 प्रकार के दुर्गो का वर्णन है। **एरण** दुर्ग ऐसे दुर्ग है जहाँ पहुँचना कठिन है, जैसे रणथम्भौर दुर्ग। **पारिख** दुर्ग वे दुर्ग है जिनके चारों और खाई हो, जैसे भरतपुर दुर्ग व **पारिध** दुर्ग का आशय ईट—पत्थर से निर्मित परकोटे से युक्त दुर्ग से है उदाहरणार्थ चित्तौड़गढ़ दुर्ग चारो ओर रेत के ऊँचे टीलों से घिरा दुर्ग **धान्वन** दूर्ग कहलाता है जैसे जैसलमेर दुर्ग, वही जल से घिरा हुआ दुर्ग **जल/ओदक** दुर्ग कहलाता है (गागरोन दुर्ग)। एकान्त में पहाड़ी पर निर्मित दुर्ग **गिरी** दुर्ग व **सैन्य** दुर्ग वह है जो व्यूह रचना युक्त अभेद्य दुर्ग हो। बंधुजन के आवास हेतु निर्मित दुर्ग **सहाय** दुर्ग कहलाते है व चारों ओर वन से गिरा दुर्ग **वन/ओरण** दुर्ग कहलाता है।

15. ''महाराणा राजसिंह एक कुशल, कुटनीतिज्ञ और परिस्थितियों के अनुकुल कार्यवाही करने वाला शासक था''

इस कथन के सन्दर्भ में महाराणा राजसिंह की शाहजहाँ और औरंगजेब के प्रति नीति की विवेचना कीजिए?

उत्तरः— 'विजय कटकातु' महाराणा राजसिंह एक साहसी, दूरदृष्टा व कुशल कूटनीतिज्ञ थे। इसके प्रमाण स्वरूप राजसिंह ने जगत सिंह के शासनकाल में मुगलों से संधि के विरूद्ध चल रहे मरम्मत कार्य की गति तीव्र कर दी व प्रतिरोध में शाहजहाँ द्वारा निर्माण कार्य ध्वस्त करने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अवसर का लाभ उठाते हुए शाहजहाँ के अस्वस्थ होने पर राजसिंह ने अपनी शक्ति में वृद्धि कर बादशाही अधिकार में गये माण्डलगढ़, दरीबा, बनेड़ा, शाहपुरा आदि क्षेत्रों पर अधिकार कर लियां राजसिंह ने कुशल रणनीति का परिचय देते हुए उत्तराधिकार संघर्ष में औरंगजेब को समर्थन का आश्वासन दिया।

औरंगजेब द्वारा जजिया कर लगाने पर राजसिंह ने पुरजोर विरोध किया। जब कोई राजा अपने राज्य में औरंगजेब द्वारा तोड़े गये मंदिरों की मूर्तियाँ स्थापित करने में सहमत नहीं थे तब हिन्दू एकता व गौरव सुनिश्चित करते हुए राजसिंह ने द्वारिकाधीश व श्रीनाथ जी मंदिर का निर्माण करवाया।

राजपूत गठबन्धन को दृष्टिगोचर करते हुए जोधपुर से शरणागत अजीत सिंह को आश्रय दिया व राजकुमारी चारुमति, जिनका विवाह संबंध औरंगजेब से तय हुआ था, से मुगल शहजादे अकबर को छापेमार पद्धति से छकाने के पश्चात् बादशाह बनने का लालच दिखाकर औरंगजेब का विद्रोही बनाने का कार्य केवल एक कुशल शासक ही कर सकता है।

16. मध्यकालीन राजस्थान में भक्ति संतों एवं लोकदेवताओं का वर्णन कीजिए?

उत्तरः— राजस्थान में धार्मिक परम्परा व लोकविश्वास की धारा प्राचीनकाल से ही निरन्तर बनी हुई है। मध्यकाल में राजस्थान में जिन महान व्यक्तियों ने आत्म बलिदान कर देश—सेवा व समाज सेवा की व नैतिक जीवन व्यतीत किया वे लोक मानस में उनको देवत्व का स्थान देकर पूजा जाने लगा। इनमें गोगाजी, पाबूजी, तेजाजी, देवनारायण जी, मल्लीनाथ जी प्रमुख स्थान रखते है। पीपासर में जन्में जाम्भोजी द्वारा 29 शिक्षाओं का प्रतिपादन किया गया व इनकी पालना करने वाले विश्नोई कहलाए।

रामदेव जी ने समाज में व्याप्त छुआछूत का विरोध किया व हिन्दू—मुस्लिम सांप्रदायिक एकता के उदाहरण बनें इसी प्रकार लालदास जी भी सांप्रदायिक समन्वय के अद्वितीय उदाहरण है। जसनाथ जी, मावजी, रामचरण जी आदि की उपस्थिति ने राजस्थान की संस्कृति को न केवल उत्थान दिया अपितु साझी संस्कृति की नींव भी रखी।

नारी संत शिरोमणि मीराबाई आजीवन कृष्ण भक्ति में लीन रही वहीं दादू पंथ के प्रवर्तक धर्म संबंधी स्वतंत्र विचारों के प्रमुख संत है। इस प्रकार मध्यकालीन भक्ति संतो व लोक विश्वासों ने राजस्थानी समाज में समन्वय, विकास व नवजागरण की अलख जगाई।

PAPER-II GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE
Unit-III (Part-C)

1. भोराट का पठार एक प्रमुख जल विभाजक है? टिप्पणी कीजिए।

उत्तरः— अरावली पर स्थित इस पठार (गोगुन्दा से कुम्भलगढ़ में विस्तृत) से विभिन्न दिशाओं में मानसी, वाकल, साबरमती, बनास, व बेड़च, जैसी नदियों का उद्गम होने के कारण यह जल विभाजक की भूमिका में है।

2. ट्रेवार्था के अनुसार राजस्थान के जलवायु प्रदेशों का विभाजन कीजिए?

उत्तरः— ट्रेवार्था के अनुसार राजस्थान को 4 जलवायु प्रदेशों Bwh (शुष्क), Bsh (अर्द्ध शुष्क), Caw (उपआर्द्र) व Aw (आर्द्र) में विभाजित किया गया है।

3. चम्बल घाटी परियोजना के महत्त्व पर प्रकाश डालिए?

उत्तरः— चम्बल घाटी परियोजना राजस्थान व मध्य प्रदेश में सिंचाई व जल विद्युत की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

4. राजस्थान के स्वास्थ्य संकेतको के अनुसार वर्तमान में शिशु मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर, कुल प्रजनन दर तथा बाल लिंगानुपात कितना है।

उत्तरः— IMR- 41 (2016 के अनुसार), TFR- 24.3 (2016 के अनुसार)
MMR- 244 (2011-13 के अनुसार), CSR- 888 (2011 जनगणना)

5. राजस्थान में दुग्ध उत्पादन की वर्तमान स्थिति को स्पष्ट कीजिए?

उत्तरः— राष्ट्रीय उत्पादन में वर्ष 2016-17 में राज्य का दुग्ध उत्पादन में योगदान 12.73% है दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का भारत में द्वितीय स्थान है।

6. राजस्थान में लौह अयस्क के प्रकार, वितरण और औद्योगिक उपयोग पर विश्लेषण कीजिए।

उत्तरः— राजस्थान में मुख्य रूप से हेमेटाइट श्रेणी का लोहा पाया जाता है। राजस्थान में लौह अयस्क के प्रमुख क्षेत्र डाबला—सिंघाना (झुंझुनूं), नीम का थाना (सीकर), नीमला रायसेला (दौसा), मोरिजा बानोला (जयपुर), पुर—बनेड़ा (भीलवाड़ा), नाथुरा की पाल, थुर हुण्देर (उदयपुर) आदि है। लौहा मशीनों के निर्माण, कृषि उपकरणों के निर्माण, बांधों के निर्माण, सैन्य सामग्री के निर्माण समेत किसी प्रदेश के औद्योगिक विकास हेतु महत्वपूर्ण है।

7. राजस्थान के प्रमुख भू—आकृतिक प्रदेशों के विभाजन को संक्षिप्त में समझाइये?

उत्तरः—

उ.प. मरूस्थलीय प्रदेश	**मध्यवर्ती पर्वतीय प्रदेश**	**पूर्वी मैदानी प्रदेश**	**दक्षिण पूर्वी पठारी प्रदेश**
लगभग 61.11% भू—भाग	अरावली 9 % भू—भाग	23 % भू—भाग पर	6.89 % भू—भाग
वर्षा 20-50 cm	वर्षा 50-90 cm	वर्षा 50-80 cm	वर्षा 80-120 cm
रेतीली बलुई मिट्टी	लाल—भूरी मिट्टी	जलोढ़ व दोमट मिट्टी	काली मिट्टी
40% जनसंख्या	10% जनसंख्या	39% जनसंख्या	11% जनसंख्या
अरावली वृष्टि छाया प्रदेश	सघन वनस्पति	छप्पन मैदान व चम्बल बेसिन	हाड़ौती का पठार
25 cm वर्षा रेखा विभाजक	उत्तरी, मध्य व दक्षिणी अरावली में वर्गीकृत	सर्वा. जनसंख्या घनत्व	(विन्ध्यन कगार व दक्कन लावा पठार)

8. राजस्थान में वन्य जीवों के संरक्षण हेतु किए गए प्रावधानों पर टिप्पणी कीजिए?

उत्तरः— राजस्थान वन्य जीवों की दृष्टि से समृद्ध राज्य हैं। 1955 में स्थापित वन्य जीव बोर्ड व 1973 में वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम लागू करने से लेकर वर्तमान तक जीवों के संरक्षण हेतु प्रयास जारी है।

अरावली वृक्षारोपण कार्यक्रम, वानिकी विकास कार्यक्रम, घास के मैदानों की पारिस्थितिकी बचाने के लिए ऑपरेशन बस्टर्ड जैसे कार्यक्रम चलाए गए। इसी के साथ इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहन देने के लिए अमृता देवी स्मृति पुरस्कार, कैलाश सांखला वन्य जीव पुरस्कार समेत कई प्रावधान किये गये है।

राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, आखेट निषेध क्षेत्रों के साथ बाघ परियोजनाएँ, जैविक पार्क आदि संचालित किये जा रहे है। वनों पर निर्भर जन समूहों के आजीविका के वैकल्पिक प्रबन्ध हेतु जीका (जापान) के सहयोग से 15 जिलों में राजस्थान वानिकी व जैव विविधता परियोजना का द्वितीय चरण चलाया जा रहा है। जवाई क्षेत्र में विकसित 'तेंदुआ पर्यटन' इस दिशा में नवाचार है, जहाँ वन्य जीव संरक्षण व आजीविका अन्त संबन्धित (सकारात्मक रूप से) किये गये। इस दिशा में रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान, झालना रीपार्क व सरिस्का क्षेत्र में 'इको पर्यटन' कर 'इको सर्किट' विकसित किया जा रहा है।

राजस्थान द्वारा देश की पहली वन एवं पर्यावरण नीति (2010) का निर्माण इस संबंध में राज्य की प्रतिबद्धता का परिचायक है किन्तु इस दिशा में और प्रयासों की आवश्यकता इसलिए है कि राजस्थान वन्य जीव संबंधित अपराधों के मामले में भारत में द्वितीय स्थान पर है।